

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

भनाईधाम मंदिर में काली माता की प्रतिमा की स्थापना, भक्तों में उमंग की लहर

Publisher

Published on 22 Jul 2025



भनाईधाम (भादरा, हनुमानगढ़):

गाँव भनाई (भादरा तहसील, जिला हनुमानगढ़, राजस्थान) से लगभग एक किलोमीटर पहले स्थित **भनाईधाम मंदिर** में आज एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक आयोजन के अंतर्गत **काली माता की भव्य प्रतिमा** की विधिवत स्थापना की गई। इस पावन अवसर पर **पूजा-अर्चना, हवन, और प्राण-प्रतिष्ठा** विधि के साथ माता का आह्वान किया गया।

भक्तों में उल्लास और श्रद्धा का माहौल

इस धार्मिक आयोजन में **दूर-दराज़ से हज़ारों श्रद्धालु** माता के दर्शन करने पहुंचे। भक्तों के चेहरों पर गहरी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह की झलक साफ़ दिखाई दे रही थी। माता की प्रतिमा की स्थापना के साथ पूरे परिसर में **भक्ति, उत्सव और दिव्यता का वातावरण** छा गया।

संवाददाता राजेश

चौधरी

पूजा, प्रसाद और सेवा का अनूठा संगम

पूरे आयोजन की अगुवाई **मंदिर के महंत पुजारी श्री सुखदेव गुरुजी** ने की। उन्होंने भक्तों को **माता के आशीर्वाद के साथ प्रसाद वितरण** किया और सभी को शुभकामनाएं दीं।

मंदिर परिसर में आए हुए सभी श्रद्धालुओं के लिए **फल-मिठाई, चाय व नाश्ते** की सुंदर व्यवस्था की गई थी।

भक्तों की आस्था : “यहाँ पूरी होती है हर मनोकामना”

माता के दरबार में उपस्थित भक्तों का मानना है कि –

“सुखदेव गुरुजी ने कहा कि यह मंदिर अब श्रद्धालुओं के लिए संकट निवारण और समाधान का केंद्र बनता जा रहा है।

सुखदेव गुरुजी का संदेश

सुखदेव गुरुजी का संदेश

महंत श्री सुखदेव गुरुजी ने कहा:

“सुखदेव गुरुजी ने कहा कि यह मंदिर अब श्रद्धालुओं के लिए संकट निवारण और समाधान का केंद्र बनता जा रहा है।

मंदिर का स्थान

भनाईधाम माता का मंदिर —

गांव भनाई से लगभग 1 किलोमीटर पहले, तहसील भादरा, जिला हनुमानगढ़, राजस्थान में स्थित है। यह मंदिर अब क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनता जा रहा है।

निष्कर्ष

काली माता की प्रतिमा की यह स्थापना न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में शांति, समाधान और समर्पण का संदेश भी देती है। मंदिर की यह दिव्यता और पवित्रता भविष्य में भी श्रद्धालुओं को राह दिखाती रहेगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.